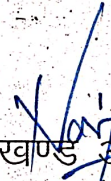



## फर्द अहकाम

(नियम 26)

अज अंदालत उपखण्ड अधिकारी, मालाखेडा, मुकाम मालाखेडा  
नीरज पाण्डेय बनाम दीपक गर्ग वगै०

किस्म मुकदमा प्रार्थना पत्र धारा 212 आरटीए मु० नं०..... 2166 .....सन-2025

क्र. सं.	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल जज	नम्बर व तारीख इहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
	<div style="border: 2px solid red; padding: 5px; display: inline-block; margin: 10px;"> <b>2025/285</b> </div>	
19.2025	<p>प्रार्थी ने मूल वाद अन्तर्गत धारा 88,188 आर.टी.एक्ट के साथ-साथ प्रार्थना पत्र 212 आर.टी.एक्ट जरिये अधिवक्ता पेश किया। प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर हो। वकील प्रार्थी की एकपक्षीय बहस सुनी गई पत्रावली का अवलोकन किया गया। प्रथम दृष्टया नापूर्ति होने वाली क्षति व सुविधा का सन्तुलन वादी के पक्ष नहीं पाये जाते है। अतः प्रकरण में एक पक्षीय अस्थाई निषेधाज्ञा जारी किया जाना उचित नहीं समझते है। अप्रार्थीगण की तलबी हेतु वकील प्रार्थी रजि० ऐडी तलबाना पेश करें। पत्रावली दिनांक 16.09.2025 को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;">               उपखण्ड अधिकारी              मालाखेडा           </p> <p style="font-size: 1.2em; font-weight: bold;">16/09/25 पत्रावली पेश हुई सुनी व प्रार्थी वकील अकु० ने मूल वाद अदम दायरी अदम फेरी मे खोज हो चुका है। अतः प्रा० पत्र की अदम दायरी अदम फेरी मे खोज क्रिया जाता है। पत्रावली फेसल होकर नम्बर से काम हो। वाद पूर्ति संलग्न मूल वाद रहे।</p> <p style="text-align: center;">               उपखण्ड अधिकारी              मालाखेडा (अलवर) राज०           </p>	